

* अनुक्रमणिका *

पहली इकाई

| क्र. | पाठ का नाम | विधा | रचनाकार | पृष्ठ |
|------|------------------------------|--------------|-----------------------|-------|
| १. | चाँदनी रात | खंडकाव्य | मैथिलीशरण गुप्त | १-३ |
| २. | बिल्ली का बिलुंगड़ा | हास्य कहानी | राजेंद्र लाल हांडा | ४-७ |
| ३. | कबीर (पूरक पठन) | आलोचना | हजारी प्रसाद द्विवेदी | ८-११ |
| ४. | किताबें | नई कविता | गुलजार | १२-१४ |
| ५. | जूलिया | एकांकी | अंतोन चेखव | १५-१८ |
| ६. | ऐ सखि ! (पूरक पठन) | मुकरियाँ | अमीर खुसरो | १९-२० |
| ७. | डॉक्टर का अपहरण | विज्ञान कथा | डॉ. हरिकृष्ण देवसरे | २१-२५ |
| ८. | वीरभूमि पर कुछ दिन | यात्रा वर्णन | रुक्मणी संगल | २६-३१ |
| ९. | वरदान माँगूँगा नहीं | गीत | शिवमंगल सिंह 'सुमन' | ३२-३३ |
| १०. | रात का चौकीदार (पूरक पठन) | लघुकथा | सुरेश कुशवाहा 'तन्मय' | ३४-३६ |
| ११. | निर्माणों के पावन युग में | कविता | अटल बिहारी वाजपेयी | ३७-३८ |

दूसरी इकाई

| क्र. | पाठ का नाम | विधा | रचनाकार | पृष्ठ |
|------|------------------------------|---------------------|----------------------|-------|
| १. | कह कविराय | कुँडलियाँ | गिरिधर | ३९-४१ |
| २. | जंगल (पूरक पठन) | संवादात्मक कहानी | चित्रा मुद्गल | ४२-४६ |
| ३. | इनाम | हास्य-व्यंग्य निबंध | अरुण | ४७-५२ |
| ४. | सिंधु का जल | नई कविता | अशोक चक्रधर | ५३-५५ |
| ५. | अतीत के पत्र | पत्र | विनोबा भावे, गांधीजी | ५६-६० |
| ६. | निसर्ग वैभव (पूरक पठन) | कविता | सुमित्रानंदन पंत | ६१-६३ |
| ७. | शिष्टाचार | चरित्रात्मक कहानी | भीष्म साहनी | ६४-६९ |
| ८. | उड़ान | गजल | चंद्रसेन विराट | ७०-७१ |
| ९. | मेरे पिता जी (पूरक पठन) | आत्मकथा | डॉ. हरिवंशराय बच्चन | ७२-७६ |
| १०. | अपराजेय | वर्णनात्मक कहानी | कमल कुमार | ७७-८१ |
| ११. | स्वतंत्रता गान | प्रयाण गीत | गोपालसिंह नेपाली | ८२-८३ |
| | रचना विभाग एवं व्याकरण विभाग | | | ८४-८८ |